1	2	3	4	5	6	7	8	9
21.	Sikkim	74	42	09	08	—	—	15
22.	Tamilnadu	233	154	10	41	04	05	19
23.	Uttar Pradesh	1838	1076	51	108	12	12	579
24.	Tripura	88	27	03	03	—	02	53
25.	West Bengal	79	44	08	12	01	03	11
26.	A. & N. Islands	62	34	02	12	—	—	14
27.	D & N Haveli	28	19	—	—	04	—	05
28.	Delhi	05	—	01	—	—	—	04
29.	Daman & Diu	01	—	—	—	—	—	01
30.	Pondicherry	—	—	—	—	—	—	—
31.	Lakshadweep	—	—	—	—	—	—	—
32.	Chandigarh	01	—	—	01	—	—	—
		7542	3960	552	924	133	121	1852

द्वितीय पृथ्वी सम्मेलन में भारत की भूमिका

1906. **डा० महेश चन्द्र शर्मा:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) न्यूयार्क में सम्पन्न हुए द्वितीय पृथ्वी सम्मेलन में भारत की क्या भूमिका रही; और

(ख) क्या भारत उक्त सम्मेलन में यूरोपीय समुदाय द्वारा रखे गए प्रस्ताव का समर्थक है?

पर्यावरण और वन मंत्री (प्रो० सैफउद्दीन सोज़): (क) औद्योगिक देशों द्वारा 1992 के रियो सम्मेलन में स्वैच्छिक रूप से की गई अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने संबंधी निराशाजनक स्थिति के प्रति विकासशील राष्ट्रों के सरोकारों को व्यक्त करने में भारत ने 23-27 जून, 1997 को न्यूयार्क में आयोजित संयुक्त राष्ट्र महासभा के विशेष अधिवेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत ने पर्यावरण की दृष्टि से उन्नत तकनीकों को अन्तरित करने तथा औद्योगिकृत देशों द्वारा विकासशील देशों को नए और अतिरिक्त वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था करने संबंधी समयबद्ध वचनबद्धताओं को पूरा करने के लिए जोरदार अपील की। भारत ने, कुछ विकसित देशों द्वारा एजेंडा 21 में नए मामलों को शामिल करके उस पर फिर से बातचीत करने के प्रयास का भी विरोध किया।

(ख) चूंकि यूरोपीय समुदाय द्वारा कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं रखा गया, अतः प्रश्न नहीं उठता।

पर्वतीय क्षेत्रों में वृक्षारोपण

1907. **श्री मनोहर कान्त ध्यानी:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में जिलावार-कितने हेक्टेयर भूमि में राष्ट्रीय वन नीति के अन्तर्गत पेड़ लगाए गए हैं;

(ख) उपरोक्त नीति के अन्तर्गत ईंधन और चारा प्राप्त करने के लिए कौन-कौन से पेड़ लगाए गए हैं, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या संबंधित एजेंसियां यूकेलिप्टस और चीड़ के पेड़ लगाने की बजाय घने-छायादार और फलदार अथवा ईंधन या चारा देने वाले पेड़ लगाने के लिए कोई योजना बनाने का विचार रखती है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

पर्यावरण और वन मंत्री (प्रो० सैफउद्दीन सोज़): (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सदन के पटल पर प्रस्तुत कर दी जाएगी।

Violation of Forest Act by Gujarat

1908. **SHRI RAJUBHAI A. PARMAR:**
SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news report in the Indian Express dated 9th July, 1997 captioned, "Gujarat violates Forest Act";

(b) what is Govenrment's information about the alleged violation of Forest Act

involved in the Gujarat Government's resolution and implementation thereof; and

(c) the steps taken by Government to prevent such violation?

THE MINISTER OF ENVIRONMENT AND FORESTS (PROF. SAIFUDDIN SOZ): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

India's Stand in Second Earth Summit

1909. SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the Enrironment activist Vandana Shiva's reported statement in the Pioneer dated July 3, 1997 that Indian team to the Second Earth Summit, New York confined more to the trade agenda, than adopting an aggressive stand on sustainability agenda; and

(b) if so, what precise stand was taken by the Indian team about sustainability aspect of the GATT agenda, stressing the need for adoption of eco-friendly technologies for development?

THE MINISTER OF ENVIRONMENT AND FORESTS (PROF. SAIFUDDIN SOZ): (a) Yes, Sir.

(b) The Indian delegation to the United Nations General Assembly Special Session held at New York in June, 1997 to review the implementation of Agenda 21, stressed the need to ensure that there is a balanced and integrated approach to trade and sustainable development which is consistent with an open, rule-based, non-discriminatory, equitable, secure and transparant multilateral trading system. The WTO, UNEP and UNCTAD should consider ways to make trade and environment mutually supportive, including through due respect to the objectives and principles of the multilateral trading system and to the provisions of multilateral environmental agreements.

It was further emphasized that access to and transfer of environmentally sound technology on favourable terms, in particular to developing countries, should be promoted. This should include facilitating the transfer of privately owned technology on concessional terms as well as to developing countries.

These views were accepted in the final document in the Session.

लकड़ी पर आधारित उद्योग स्थापित करना

1910. श्री मूल चन्द मीणा:
श्री अजीत जोगी:

क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान वन क्षेत्र में लकड़ी पर आधारित उद्योग स्थापित करने के लिए सरकार की स्वीकृति प्राप्त करने हेतु प्राप्त किए गए, स्वीकार किए गए तथा अस्वीकार किए गए आवेदन पत्रों का राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ख) इस प्रकार के आवेदन पत्रों के मूल्यांकन के लिए क्या मानदंड अपनाया जाता है;

(ग) क्या निजी वन क्षेत्र में उद्योग स्थापित करने के लिए भी पहले से अनुमोदन प्राप्त करना आवश्यक है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

पर्यावरण और वन मंत्री (प्रो० सैफउद्दीन सोज़): (क) पिछले तीन वर्ष के दौरान वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत वन क्षेत्र में काष्ठ पर आधारित उद्योग को स्थापित करने के लिए मंत्रालय में 4 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनके ब्यौरे निम्नलिखित हैं:—